

प्रेषक,,

संतोष बडोनी,  
अनुसचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक पर्यटन,  
उत्तरांचल, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 30 मार्च, 2005

**विषय:—जिला योजना के अंतर्गत धनावंटन।**

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय गोविन्द वन्य जीव विहार के अंतर्गत ओसला/सिमा से कल्लकती धार तक पर्यटक मार्ग का सौंदर्यीकरण एवं विकास हेतु रु० 1.50 लाख के आगणनों के विरुद्ध टी0ए0सी0 द्वारा परिक्षणोपरांत संस्तुत धनराशि रु० 1.00 लाख के आगणनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सहित चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में इतनी ही धनराशि को डिपोजिट के रूप में व्यय करने की भी सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकारी नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3— आंगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करा लें।

4— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृति नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6— एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7— कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों /विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8—कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

9— आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए। एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

10- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

11- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2005 तक पूर्ण उपयोग कर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

12- कार्य इसी लागत में पूर्ण किये जाय और उक्त लागत कोई भी पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

13- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

14- निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

15- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

16- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-91-जिला योजना-07-पर्यटक स्थलों का सौंदर्यीकरण तथा सुविधायें-42-अन्य व्यय के नामों डाला जायेगा।

17- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-2025/वित्त अनु0-3/2005, दिनांक 30 मार्च 2005 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(संतोष बडोनी)  
अनुसचिव।

संख्या- VI/2005-292 पर्य 2003, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 4- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तरकाशी।
- 5- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 6- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त।
- 7- अपर सचिव, नियोजन।
- 8- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 9- निजी सचिव, मा. पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 10- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(संतोष बडोनी)  
अनुसचिव।